आर.एन.आई. नं. DELHIN/2017/73538

सेवा पाती

● मूल्य » ₹ 5/- ● वर्ष-02 ● अंक 15 ● मुद्रण तारीख » 1 जुलाई -2018 ● कुल पृष्ठ » 12

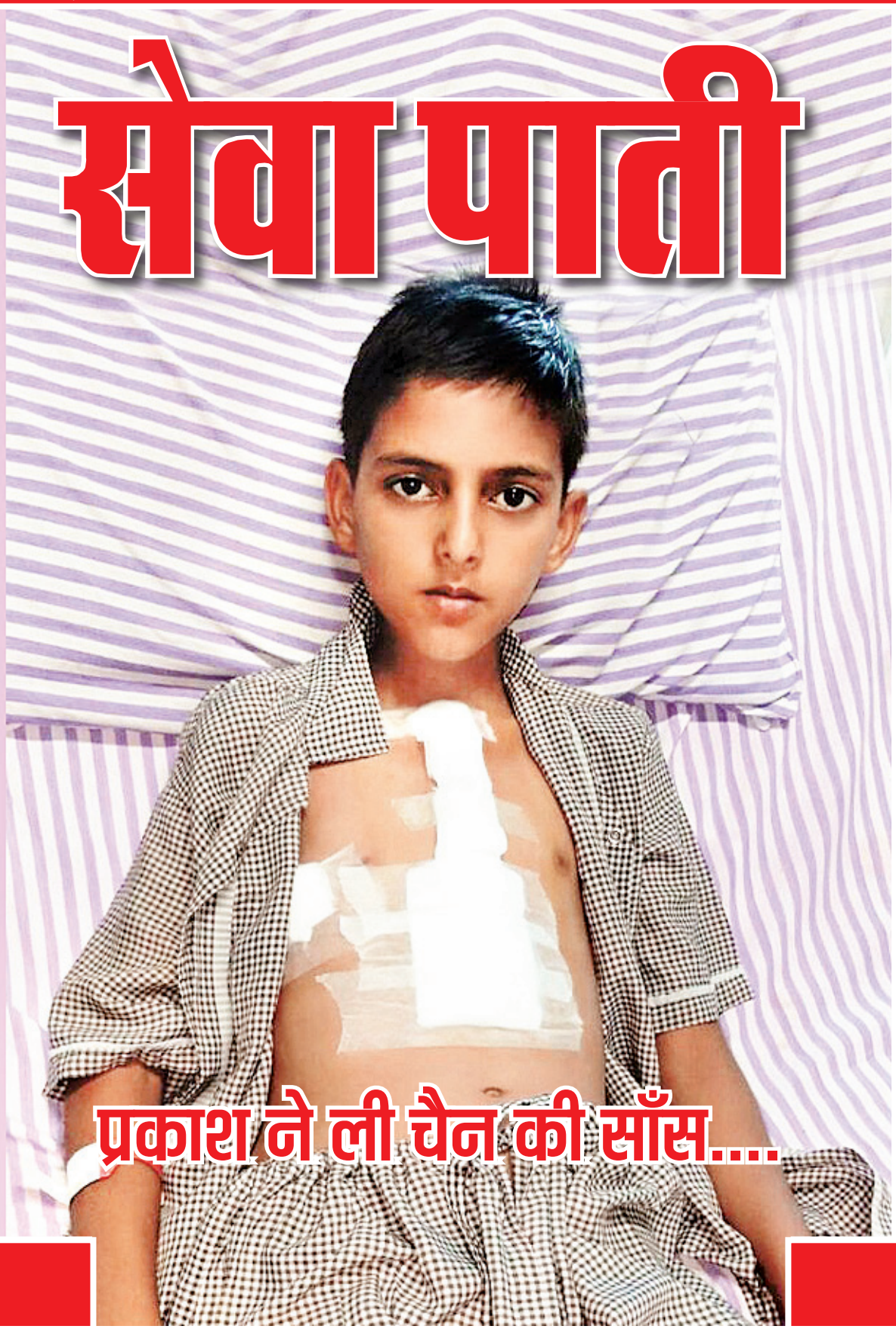

प्रकाश ने ली चैन की साँस....

ज़िन्दगी होगी बेहतर जब आप करेंगे कन्यादान

विशाल नि:शुल्क सर्वधर्म दिव्यांग तथा निर्धन सामूहिक विवाह

आयोजक : नारायण सेवा संस्थान एवं सेवा परमो धर्म ट्रस्ट

दिनांक : 8 व 9 सितम्बर, 2018 | **स्थान : सेवामहातीर्थ, लियो का गुड़ा, उदयपुर**

नि:शुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह हेतु करें-सहयोग

पूर्ण कन्यादान (प्रति कन्या)	51,000/-	भोजन प्रसाद (100 सहयोगी अपेक्षित)	5,100/-
आंशिक कन्यादान (प्रति कन्या)	21,000/-	वेदी सहयोग (प्रति वेदी)	2,100/-
वर-वधू श्रृंगार पुण्य (प्रति जोड़ा)	11,000/-	मेहन्दी रस्म (प्रति जोड़ा)	2,100/-

/nssudaipur /narayansevasansthan /@narayanseva_ narayansevasansthan

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :-
09649499999,0294-6622222

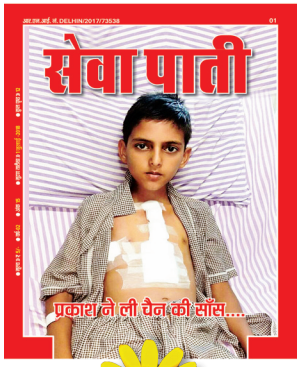

सेवा पाती

1 जुलाई, 2018

वर्ष 02 अंक 15 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 12

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल

सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल

डिजाईनर » विरेन्द्र सिंह राठौड

संपर्क (कार्यालय)

नारायण सेवा संस्थान

सेवा-पाती (मासिक पत्रिका)
मुद्रण तारीख 1 जुलाई, 2018
स्वत्वाधिकार नारायण सेवा संस्थान,
प्रकाशक जतन सिंह द्वारा 6473,
कटरा बरियान, फतेहपुरी, दिल्ली-110006
से प्रकाशित तथा
एम.पी. प्रिंटर्स नोएडा से मुद्रित।

Web » www.narayanseva.org
E-mail » info@narayanseva.org

CONTENTS

इस माह... पाठकों हेतु

नवजीवन आपके असीम सहयोग से मिला सहारा

05

- मिला 'सेवा परमो धर्म' का सहारा
- प्रकाश ने ली चैन की साँस....
- 101 यूनिट रक्त संग्रहण
- बनें पुण्य के भागी।

दिव्य-2018 दिव्यांग रॉक स्टार्स ने दिखाया हौंसला

07

शारीरिक रुप से किसी भी अक्षम व्यक्ति की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए क्योंकि हमें नहीं पता कि वे भी समाज को किस रुप में और कितना ऐसा योगदान दें जिसकी सामान्य व्यक्ति से भी उम्मीद नहीं की जा सकती - **सुधाचंद्रन**

अनुरोध दूर करें....पीड़ितों के दुःख

08

- कृष्ण अरोड़ा, बीकानेर
- शान्ति देवी, फैजाबाद, यू.पी.
- योगेश कुमार, भीलवाड़ा
- यशवंत सिंह, नागौर

सहयोग विविध सेवा प्रकल्प

09

- दान सहयोग अपील
- आत्मनिर्भर बनाने में-सहयोग
- संस्थान के एकाउन्ट नम्बर
- संस्थान के विभिन्न चैनल

अपनों से अपनी बात

पू. कैलाश 'मानव'

विनम्र रहने में ही लाभ

विनम्र व्यवहार और मन की कोमलता किसी भी हथियार से अधिक शक्तिशाली हैं, जहाँ कठोरता का जल्दी नाश होता है, वहीं कोमलता लम्बे समय तक रहती है।

जिंदगी का मूल मंत्र है, प्यार दो और प्यार लो। भगवान को वाणी में कठोरता पसन्द नहीं, इसीलिए उन्होंने जुबान को लचीली बनाया, परन्तु यह जो घाव करती है वैसा लोहा भी नहीं कर सकता। यह अपने कटु शब्दों से एक पल में अपनों को पराया कर देती है। तो किसी को स्नेह और आत्मीयता की माला में भी गूंथ देती है। इस जुबान से महाभारत जैसे बड़े-बड़े युद्ध हुए तो कई बिछड़े परिवार भी एक हो गए। एक दिन मुख में 32 दाँतों के बीच रहने वाली जीभ बोली-भाईयों! तुम 32 हो। मैं तुम्हारे बीच रहती हूँ। बहुत लचीली और मुलायम हूँ। मेरा ध्यान रखना। सभी दाँत एक साथ बोले- बहना! हम 32 हैं और तू अकेली है। फिर तू हम पर भारी है। तू हमारा ध्यान रखना। जीभ ने पूछा - मैं तुम्हारा ध्यान कैसे रख सकती हूँ? दाँत बोले- किसी को भी उल्टा-सीधा बोल कर, तुम तो अन्दर चली जाती हो, लेकिन भुगतना हमें पड़ता है। बहना! किसी को कुछ गलत मत बोलना, नहीं तो हमें घर-बार छोड़कर बाहर आना पड़ेगा। हमेशा सबसे मीठा बोलना। किसी ने कहा भी है कि सत्य भी है कि कठोर से कठोर वस्तु को काट देने वाली तलवार भी रूई का ढेर काटने का सामर्थ्य नहीं रखती। एक दिन समुद्र ने नदी से प्रश्न किया-तुम बड़े -बड़े पेड़ों को अपने प्रवाह में ले आती हो, लेकिन छोटी सी घास, कोमल बेलों व नरम पौधों को बहाकर नहीं ला पाती। नदी का उत्तर था- मेरे पानी के बहाव से बेलें झुक जाती हैं और रास्ता बन जाता हैं, लेकिन वृक्ष ऐसा नहीं कर पाते। बंधुओं! संसार में कोमल हृदय व्यक्ति का अस्तित्व उसकी मृत्यु के बाद भी रहता है।

प्रेरक प्रसंग

'सेवक' प्रशान्त भैया

शुद्धात्मा में ही धर्म का वास

मोह , ममता और लोभ को त्यागकर किसी भी क्षण कोई गलत काम न हो, इसका प्रयास करना चाहिए। साधकों को सदाचार का पूर्ण पालन करना चाहिए।

तीर्थंकर भगवान महावीर सत्संग के लिए आने वालों से कहते थे- गृहस्थ मनुष्य को गलत तरीके से धन अर्जित नहीं करना चाहिए। परिवार के मोह में आदमी बुरे से बुरा पाप करने में भी नहीं हिचकिचाता, पर जब उसका परिणाम भोगने का समय आता है तब वह अकेला ही दुःख भोगता है। अतः जो निष्कपट और सरल होते हैं, उसी की आत्मा शुद्ध रहती है और जिसकी आत्मा शुद्ध होती है, उसी के पास धर्म ठहरता है। एक व्यक्ति ने तीर्थंकर से पूछा, ''दुःख क्यों सताते हैं?''भगवान ने उत्तर दिया, ''प्राणी अपने-अपने दुष्ट कर्मों के कारण ही दुःखी होता है अच्छा या बुरा, जैसा भी कर्म हो, उसका फल भोगे बिना छुटकारा नहीं हो सकता। जो सब प्रकार का त्याग करता है वही सच्चा संन्यासी कहलाता है। आदिशंकराचार्य भी यही कहते थे उन्होंने कहा-जो इस संसार को अपनी खुली आँखों से देखता है और उसके सत्य को आत्मसात् करता है, वही संन्यासी है। भगवान महावीर स्वामी ने कहा- जियो और जीने दो। एक बार महावीर स्वामी कही से गुजर रहे थे। आगे भयानक जंगल था, जिसमें एक विषैला नाग रहता था। लोगों ने उन्हें रोका और कहा भी उस रास्ते से मत जाइए, क्योंकि इस रास्ते में विषैला सर्प है, जो लोगों को डस लेता है, लेकिन भगवान महावीर नहीं माने और उसी राह आगे बढ़ गए।जब स्वामीजी जंगल पहुँचे तब नाग ने उन्हें डस लिया। महावीर स्वामी के दंशस्थल से दूध की धारा बह निकली। माँ के शरीर में मांस होता है, रक्त होता है, लेकिन अपने बच्चों के लिए, स्तनों से सिर्फ दूध ही निकलता है। कहने का तात्पर्य यह है कि व्यक्ति का मन दूसरों के प्रति सदा करुणा से भरा रहना चाहिए।

नवजीवन

मिला 'सेवा परमो धर्म' का सहारा

मूलतः भरतपुर, राजस्थान के निवासी बबलू राम का 11 वर्षीय पुत्र गौरव जन्म से ही दिल में छेद की बीमारी से ग्रसित था। गौरव के पिता एक निजी कंपनी में कार्य करते हें जहाँ से उन्हें 8000/- रूपये प्रतिमाह वेतन प्राप्त होता है जिससे वे बड़ी मुश्किल से अपने 6 सदस्यीय परिवार का पालन-पोषण कर पाते हैं। गौरव न तो पढ़ पाता और न ही दूसरे बच्चों की तरह खेल पाता था। बबलू राम अपने बच्चे को कई जगह लेकर गए, किन्तु हालत 'जस की तस' ही रही। गौरव की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही थी। काफी मशक्कत के बाद बबलू राम ने जयपुर स्थित नारायण हृदयालय अस्पताल में अपने बच्चे की जाँच करवायी जहाँ डॉक्टर ने ऑपरेशन के लिए कहा जिसका खर्च 1,66,760/- रूपये बताया। बबलू राम के लिए इतनी बड़ी राशि जुटा पाना बहुत मुश्किल था। बबलू राम जल्द से जल्द अपने बेटे का ईलाज करवाना चाहते थे, लेकिन कोई उनकी मदद के लिए आगे नहीं आ रहा था। कहते हैं कि हर काली रात के बाद सवेरा जरूर होता है। एक दिन उन्हें किसी परिचित के माध्यम से 'सेवा परमो धर्म ट्रस्ट' के सेवा-प्रकल्पों के बारे में जानकारी मिली। तब उन्हें आशा की लौ दिखाई दी और वे तुरंत अपने बेटे को लेकर उदयपुर आये। यहाँ आकर उन्होंने अपने बेटे की गंभीर बीमारी के बारे में श्री प्रशांत अग्रवाल को अवगत कराया। जिन्होंने गौरव की हालत को देखते हुए उसे नारायण हृदयालय अस्पताल भिजवाया जहाँ उसका निःशुल्क ऑपरेशन हुआ, जो सफल रहा। ऑपरेशन में करीब 1,66,760/- रूपये का खर्च आया एवं सारा खर्च 'सेवा परमो धर्म ट्रस्ट' के माध्यम से दादा कान हसोमल लखानी द्वारा वहन किया गया। आज गौरव बिल्कुल स्वस्थ है। इस नेक कार्य के लिए बबलू राम एवं उनके परिजनों ने 'सेवा परमो धर्म ट्रस्ट' का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

प्रकाश चन्द्र ने ली चैन की साँस....

» हुआ दिल में छेद का निःशुल्क ऑपरेशन

राजस्थान में सीकर जिले के रहने वाले ईश्वर लाल का 11 वर्षीय पुत्र प्रकाश दिल में छेद की बीमारी से ग्रसित था। प्रकाश के पिता मजदूरी का काम करके महज चार हजार रूपये महिना कमाते हैं जिससे वे बड़ी मुश्किल से अपने सदस्यीय परिवार का पालन-पोषण कर पाते हैं। प्रकाश न तो पढ़ पाता और न दूसरे बच्चों की तरह खेल पाता था, ईश्वर लाल अपने बच्चे को कई जगह लेकर गए मगर कहीं राहत नहीं मिली, प्रकाश की हालत खराब होती जा रही थी। काफी मशक्कत के बाद उन्होंने जयपुर के नारायण हृदयालय अस्पताल में अपने बच्चे की जाँच करवायी जहाँ डॉक्टर ने ऑपरेशन के लिए बताया जिसका खर्च 1,99,340/- रूपये बताया गया। मजदूरी करके महिने के चार-पाँच हजार रूपये कमाने वाले ईश्वर के लिए इतनी बड़ी राशि जुटा पाना जैसे खुद को बेचने के बराबर था। इन्हीं विकट परिस्थितियों में उन्हें उम्मीद की एक किरण दिखायी दी 'सेवा परमो धर्म ट्रस्ट' के रूप में। ईश्वर लाल अपने बेटे को लेकर उदयपुर स्थित ट्रस्ट आये और मदद की गुहार लगाई। समस्त करूणहृदयी दानदाताओं की मदद से जयपुर के नारायण हृदयालय अस्पताल में प्रकाश का ऑपरेशन करवाया। आज प्रकाश को पढ़ने और खेलने में कोई दिक्कत नहीं आती है और वह अब एक दम स्वस्थ है।

शिविर

101 यूनिट रक्त संग्रहण

➲ नारायण सेवा संस्थान में आरएनटी मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक के सहयोग से 24 मई को संस्थान के हिरण मगरी सेक्टर-4 स्थित मानव मंदिर में संस्थापक- चेयरमैन पद्मश्री कैलाश जी 'मानव' के सानिध्य में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर के अन्तर्गत रक्तदाताओं से 101 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

शिविर के उदघाटन समारोह में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल. ने कहा कि रक्तदान सबसे उत्तम दान है। इससे मौत से जूझती जिंदगियों को बचाया जा सकता है। निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान करके न केवल एक व्यक्ति की जिंदगी को बचाया जाता है बल्कि एक पूरा परिवार उजड़ने से बच जाता है। इसीलिए रक्तदान को जीवनदान भी कहा गया है। संस्थान के अस्पताल अधीक्षक ब्रिजेन्द्र सिंह परिहार ने बताया कि आरएनटी ब्लड बैंक इंजार्च डॉ. संजय प्रकाश व उनकी टीम के डॉ. बी. सी रेगर, डॉ. सुरेश लखेरा, डॉ. दीशीका व संस्थान के डॉ हिरेन्द्र व राकेश शर्मा ने रक्त संग्रहण किया। संस्थान साधकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

» रक्तदान करते हुए

अपील

बनें पुण्य के भागी

➲ उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ जिले के रहने वाले वानीसिंह मजदूरी कर बमुश्किल अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सब कुछ ठीक चल रहा था कि एक दिन उनके बेटे अर्जुन कुमार की तबियत अचानक खराब हो गई। उसके माता-पिता तुरंत उसे अस्पताल ले गए और जाँच कराई। जाँच के दौरान डॉक्टर ने अर्जुन की दोनों किडनी खराब होना बताया। यह सुन कर अर्जुन के माता-पिता के पैरों तले जमीन खिसक गयी। अपने 15 साल के बेटे की दोनों किडनी खराब होने की खबर से वे बहुत परेशान हो गए। उनके लिए खुद को संभालना मुश्किल हो गया था। इसके बावजूद वानी सिंह हिम्मत जुटाकर अपने बेटे की जान बचाने के प्रयास में जुट गए। उनके पास अर्जुन की डायलेसिस करवाने के सिवाय कोई विकल्प नहीं बचा था। रात-दिन उन्हें अपने बेटे की चिन्ता खाए जा रही थी। पहले तो अर्जुन की डायलेसिस महिने में एक बार होती थी पर जैसे-जैसे समय बीतता गया वैसे-वैसे डायलेसिस का अंतराल कम होता चला गया। अब डायलेसिस हर हफ्ते होने लगी। अर्जुन की बिगड़ती स्थिति को देख कर डॉक्टरों ने वानी सिंह को अर्जुन का किडनी ट्रांसप्लांट करवाने की सलाह दी। किडनी ट्रांसप्लांट पर 9 लाख रूपये का खर्च आंका गया। अब इतनी बड़ी राशि जुटा पाना वानी सिंह के लिए अत्यंत ही मुश्किल है। तमाम प्रयास करने के बावजूद उन्हें कहीं से भी मदद प्राप्त नहीं हो पा रही है। तभी उन्हें टी.वी के माध्यम से 'सेवा परमो धर्म ट्रस्ट' के निःशुल्क प्रकल्पों के बारे में जानकारी मिली। इस पर वे तुरंत बच्चे को लेकर उदयपुर आये और उन्होंने ट्रस्ट से मदद की गुहार लगाई है। अतः आप सभी दानदाताओं से निवेदन है कि आप अर्जुन का जीवन बचाने हेतु ट्रस्ट को दान के माध्यम से अपना अमूल्य सहयोग प्रदान कर पुण्य के भागी बनें ।

» सर्जरी का सम्पूर्ण व्यय ट्रस्ट वहन करेगा

दिव्य-2018

दिव्यांग रॉक स्टार्स ने दिखाया हौंसला

-गुलाबी शहर में 'दिव्य- 2018' का आयोजन

» कार्यक्रम को सम्बोधित करते प्रशान्त भैया

» चल पड़े हौसले के कदम

नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में गुलाबी शहर जयपुर के रविन्द्र मंच पर आयोजित 'दिव्य - 2018' में बॉलीवुड अभिनेत्री एवं भरतनाट्यम की जानी-मानी नृत्यांगना सुधाचंद्रन ने कहा कि शारीरिक रुप से किसी भी अक्षम व्यक्ति की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए क्योंकि हमें नहीं पता कि वे भी समाज को किस रुप में और कितना ऐसा योगदान दें जिसकी सामान्य व्यक्ति से भी उम्मीद नहीं की जा सकती। इस आयोजन में दिव्यांग युवक-युवतियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में उन्होंने कहा कि इनके हौसलें देख कर मैं बहुत प्रभावित हूं। उन्होंने नारायण सेवा संस्थान के हौसलों की उड़ान वाले इस कार्यक्रम को सराहते हुए अपनी नृत्य प्रस्तुति भी दी। इससे पूर्व अतिथियों व सहभागियों का स्वागत करते हुए संस्थान अध्यक्ष श्री प्रशांत अग्रवाल ने संस्थान की 33 वर्षीय निःशुल्क सेवा यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि भारत में 480 और विदेशो में 86 शाखाओं के माध्यम से संस्थान विकलांगता का दंश झेल रहे लोगों की चिकित्सा, शिक्षण-प्रशिक्षण व पुनर्वास आदि के क्षेत्र में निशुल्क सेवाएं कर रहा है। उन्होंने कहा कि 'दिव्य - 2018' का यह आयोजन दिव्यांगों के साहस और कौशल का प्रतीक है।

संस्थान की ओर से पांचवी बार आयोजित इस अनूठे आयोजन का उद्घाटन जिला न्यायाधीश श्री अनिल व्यास व विधायक श्री सुरेन्द पारीख ने किया। विशिष्ट अतिथि के रुप में उप महापौर श्री मनोज भारद्वाज, पार्षद श्री सुरेन्द्र सिंह रॉबिन, अध्यक्ष अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन (डोसा) श्री मनोहर लाल गुप्ता, बार एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष डॉ. सुनील शर्मा, दानवीर भामाशाह श्री राम प्रकाश वैद , श्रीमती विमला खण्डेलवाल, श्रीमती रुपकान्ता जैन व श्री राम लक्ष्मण मंचासीन थे। आयोजन में फैशन राउण्ड विद केलिपर, फैशन राउण्ड विद व्हील चेयर, फैशन राउण्ड विथ क्रेचेस (बैसाखी), फैशन राउण्ड विथ आर्टिफिशियल लिम्स् (कृत्रिम अंग), की 4 श्रेणियों में दिव्यांगजनों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को हतप्रभ कर दिया। प्रत्येक श्रेणी में 10-10 प्रतिभागी थे। प्रत्येक प्रतिभागी के साथ वॉक के दौरान एक सहायक था। प्रतिभागियों ने जिन बहुरंगी और बहुडिजाइनिंग परिधानों का इस्तेमाल किया वे उन्हीं के द्वारा पोलियो करेक्शन ऑपरेशन के बाद संस्थान में प्रशिक्षण के दौरान तैयार किये गये। संचालन ओमपाल सीलन ने किया।

दूर करें....पीड़ितों के दुःख दर्द

गंभीर बीमारियों से ग्रसित बाल एवं युवा मरीज अपनी बीमारी का ईलाज कराने हेतु संस्थान में आते हैं। ऐसे 4 मरीज संस्थान में पहुँचे हैं। उनकी वर्तमान स्थिति गंभीर है। उन्हें आपकी मदद की सख्त आवश्यकता हैं। आपश्री से प्रार्थना है कि आप स्वेच्छा से दान के माध्यम से संस्थान को सहयोग प्रदान कर इन मरीजों की जान बचाने में अपना बहुमूल्य योगदान दें। धन्यवाद्...

इन मरीजों का जीवन बचाएं...समस्त परिजन इनकी गम्भीर बीमारी से चिंतित हैं।

कृष्ण अरोड़ा
8 वर्ष
बीकानेर (राज.) — थेलेसीमिया

शान्ति देवी
45 वर्ष
फैजाबाद, (यू.पी.) — कैंसर

योगेश कुमार
32 वर्ष
भीलवाड़ा, (राज.) — कैंसर

यशवंत सिंह
11 वर्ष
नागौर, (राज.) — ह्रदय रोग

विविध सेवा प्रकल्प हेतु दान- सहयोग की अपील

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ, पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियो ग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशन हेतु सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

दवाई सहयोग प्रतिदिन

1 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	1,100/-	51 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	56,100/-
11 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	12,100/-	101 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	1,11,100/-
21 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	23,100/-	501 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	5,51,100/-

आपका यह सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड में जायेगा जिसका उपयोग निःशक्त जनों की सेवा में होगा

आजीवन संरक्षक राशि	51,000/-	आजीवन सदस्य राशि	21,000/-

सहमति-पत्र के साथ कृपया अपनी करूणा-सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

मैं (नाम) ▶.....सहयोग मद ▶ .....

उपलक्ष्य में/स्मृति मे ▶.....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रूपये ▶.....का चेक नं./डी.डी. नं./एम.ओ./पे-इन स्लीप

..... दिनांक ▶.....से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता हूँ/करती हूँ।

पूर्ण पता ▶.....

.....

.....

.....

जिला .....पिन कोड .....राज्य .....

मो. नं. .....वाट्सअप नं. ..... ई-मेल .....

नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान-सहयोग प्रदान करें।

जुलाई-2018

हस्ताक्षर

अपंग, अनाथ, विधवा, वृद्ध एवं वंचितजन की सेवा में सेवारत्

दिव्यांगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं।
आप श्री से प्रार्थना है कि अपना सहयोग प्रदान करावें।

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

50 रोगियों की आजीवन भोजन/नाश्ता मित्ती

वर्ष में एक दिन दोनों समय की आजीवन भोजन मित्ती सहयोग राशि	30,000/-
वर्ष में एक दिन एक समय की आजीवन भोजन मित्ती सहयोग राशि	15,000/-
वर्ष में एक दिन की आजीवन नाश्ता मित्ती सहयोग राशि	7,000/-

आजीवन लालन-पालन योजना 1,00,000/-

आप बन सकते हैं किसी अनाथ निर्धन बच्चे के आजीवन पालनहार 1 लाख रूपयों का अनुदान करके। (एक बच्चा 18 वर्ष तक की आयु तक अथवा 18 वर्ष के बाद भी संस्थान के सानिध्य में रह सकेगा)

दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण हेतु सहयोग राशि

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकल	4,500	13,500	22,500	49,500
व्हील चेयर	3,500	10,500	17,500	38,500
केलिपर्स	1,800	5,400	9,000	19,800
वैषाखी	550	1,650	2,750	6,050

निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह हेतु करें-सहयोग	
पूर्ण कन्यादान (प्रति कन्या)	51,000/-
आंशिक कन्यादान (प्रति कन्या)	21,000/-
वर-वधू श्रृंगार पुण्य (प्रति जोड़ा)	11,000/-
भोजन प्रसाद (100 सहयोगी अपेक्षित)	5,100/-
वेदी सहयोग (प्रति वेदी)	2,100/-
मेहन्दी रस्म (प्रति जोड़ा)	2,100/-

कृत्रिम अंग सहयोग राशि	
उपकरण	रूपये
कृत्रिम अंग	10,000/-
प्रति निःशक्त शिविर	
सहयोग राशि	1,51,000/-
राष्ट्रीय पैरा स्वीमिंग स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स निर्माण	
भूदानी सहयोग राशि	51,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	BranchAddress	RTGS/NEFTCode	Account
Allahabad Bank	3,BapuBazar	ALLA0210281	50025064419
AXIS Bank	Uit Circle	UTIB0000097	097010100177030
Bank of India	H.M.Sector-5	BKID0006615	661510100003422
Bank of Baroda	H.M, Udaipur	BARBOHIRANM	30250100000721
BANK OF MAHARASHTRA	Toran Bawdi, City Station Road, Udaipur	MAHB0000831	60195864584
Canara Bank	Madhuban	CNRB0000169	0169101057571
CENTRAL BANK OF INDIA	UDAIPUR	CBIN0283505	00000001779800301
HDFC	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
IDBI Bank	16SaheliMarg	IBKL0000050	050104000157292
Kotak Mahindra Bank	8-C, Madhuban	KKBK0000272	0311301094
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
VIJAYA BANK	Gupteshwar Road Titardi	VIJB0007034	703401011000095
YesBank	Goverdhan Plaza	YESB0000049	004994600000102

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

नारायण सेवा संस्थान

'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

विभिन्न चैनलों पर संस्थान के सेवा कार्य

भारत में संचालित

- **आस्था** 9.00 am- 9.20 am, 7.40 pm- 7.55 pm
- **संस्कार** 7.50 pm- 8.10 pm
- **आस्था** 7.40 am- 8.00 am
- **जी.टी.वी.** 5.00 am- 6.00 am
- **पारस टी.वी.** 4.20 pm- 4.38 pm
- **अरिहन्त** 7.30 pm- 7.50 pm
- **(सत्संग)** 7.10 pm- 7.30 pm

विदेश में संचालित (हिन्दी)

- **संस्कार** 7.40 pm- 8.00 pm
- **आस्था (यू.के/यू.एस.ए.)** 8.30 am- 8.45 am
- **जी.टी.वी.** 8.30 am- 8.45 am
- **एम.ए.टी.वी. (यू.के)** 8.30 am- 8.45 am

विदेश में संचालित (अंग्रेजी)

- **JUS PUNJABI** 4.30 pm-4.40 pm (Sat-Sun only)
- **APAC** 8.30 am -9.00 am
- **SOUTH AFRICA** 8.00 am -8.30 am (CAT)
- **UK** 8.30 am - 9.00 am
- **USA** 7.30 am - 8.00 am (ET)
- **MIDDLE EAST** 8.30 am -9.00 am (UAE)

सेवा-पाती (मासिक पत्रिका) मुद्रण तारीख 1 जुलाई, 2018, आर.एन.आई. नं. DELHIN/2017/73538, पोस्टल रजिस्ट्रेशन संख्या DL (DG-II)/8087/2017-2019 (प्रेषण तिथि हर माह की दिनांक 2 से 8 दिल्ली आर.एम.एस. दिल्ली डाकघर) स्वत्वाधिकार नारायण सेवा संस्थान, प्रकाशक जतन सिंह द्वारा 6473, कटरा बरियान, फतेहपुरी, दिल्ली-110006 से प्रकाशित तथा एम.पी. प्रिंटर्स नोयडा से मुद्रित। मुद्रित संख्या 2,00,000 (मूल्य) 5 रूपये

आवासीय बालगृह

संस्थान द्वारा ऐसे मूक-बधिर, मंदबुद्धि बालकों को निःशुल्क शिक्षा, संस्कार, खेल, भोजन, आवास आदि जैसी सुविधाएँ प्रदान कर लालन-पालन किया जा रहा है जिनका इस दुनिया में कोई नहीं है। सेवा के इस महायज्ञ में आपश्री भी दान की आहूति देकर पुण्य का लाभ अर्जित करें।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

पीड़ित मानवता की सेवा से बढ़कर.... कोई मानव धर्म नहीं। 0294-6622222